Code No. : SS – 30 – ACCOUNTANCY

उच्च माध्यमिक परीक्षा , 2019

SENIOR SECONDARY EXAMINATION , 2019

लेखाशास्त्र

ACCOUNTANCY

Time : 3 Hours 15 Minutes **Maximum Marks :80**

परीक्षार्थियों के लिये सामान्य निर्देश :

General Instructions to the Examinees:

- परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न प्रत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
  Candidate must write first His / Her Roll No. on the Question Paper Compulsorily .
- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
  All Questions are Compulsory .
- प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।
  Write the Answer to each question in the given answer-book only
- जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड है, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
  For the Questions having more than One Part , the answer to those Parts are to be Written together in Continuity .
- प्रश्न पत्र के हिन्दी एवं अंग्रेजी रूपान्तर में किसी प्रकार की त्रुटि / अन्तर / विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माने।
  If there is any Error / Difference / Contradiction in Hindi and English Versions of the Question Paper , the Question of Hindi Version should be Treated Valid .

- यह प्रश्न पत्र दो खण्ड़ों में विभक्त है: A तथा B .

  This Question Paper Contains Two Sections : A and B .

.

Section	Q. Nos.	Marks Per Question
A	1 – 8	1
	9 – 14	2
	15 – 21	4
	22 – 23	6
B	24 – 25	1
	26 – 27	2
	28 – 29	4
	30	6
	OR	
	24 – 25	1
	26 – 27	2
	28 – 29	4
	30	6

- खण्ड़ 'A' सभी छात्रों के लिये अनिवार्य है।

  Section "A" is Compulsory for All Candidates .

- खण्ड़ 'B'के दो भाग है। प्रत्येक भाग में सात प्रश्न है। परीक्षार्थी को किसी एक भाग के सात प्रश्नों को हल करना है।

  Section 'B' has Two Portions . Every portion has a Set of Seven (7) Questions . Candidate can Attempt only a Set of Seven Questions of any One Portion .

- प्रश्न संख्या 22 (खण्ड़ 'A') तथा प्रश्न संख्या 30 (खण्ड़ 'B') में आन्तरिक विकल्प है।

  There are Internal Choices in Q. No. 22 (Section – A) and Q. No. 30 (Section – B) .

SECTION – A (खण्ड – A)

Q 1. साझेदारी संलेख के अभाव में साझेदारों के वेतन का क्या प्रावधान है ?

What is the provision for salary to the partners , in the absence of Partnership Deed ?

[1 Mark]

Sol. साझेदारी संलेख के अभाव में, साझेदारों को वेतन नहीं दिया जायेगा।

Q 2. तरूणा एवं भावना 4 : 2 के अनुपात में लाभ हानि बाँटती हुये साझेदार है। उन्होंने 1/3rd हिस्से के लिये पूजा को फर्म में प्रवेश दिया। पूजा अपना हिस्सा दोनों से समान अनुपात में प्राप्त करेगी। नये लाभ हानि अनुपात की गणना कीजिये।Taruna and Bhavna are partners with sharing profit and loss in the ratio of 4 : 2 . They admitted Pooja into firm for 1/3rd share . Pooja received her share equally from both . Calculate New Profit and Loss Ratio .

[1 Mark]

Sol.

Taruna's Sacrifice = $\frac{1}{3} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{6}$

Bhavna's Sacrifice = $\frac{1}{3} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{6}$

New Ratio = Old Ratio – Sacrifice

Taruna's New = $\frac{4}{6} - \frac{1}{6} = \frac{3}{6}$

Bhavna's New = $\frac{2}{6} - \frac{1}{6} = \frac{1}{6}$

Pooja's Share = $\frac{1}{3} \times \frac{2}{2} = \frac{2}{6}$

New Ratio = 3 : 1 : 2

Q 3. ममता तथा मनु 5 : 3 के अनुपात में लाभ विभाजन करते हुये एक फर्म में साझेदार है। उन्होनें रेखा को नया साझेदार बनाया। उनका नया लाभ हानि अनुपात 4 : 2 : 1 निश्चित किया गया , तो ममता एवं मनु का त्याग अनुपात ज्ञात कीजिये। Mamta and Manu are partners in a firm with sharing profits in the ratio of 5 : 3 . They entered Rekha as New Partner . Their new profit-loss sharing ratio is decided 4 : 2 : 1 . Find out sacrifice ratio of Mamta and Manu .

[1 Mark]

Sol.

Sacrifice Ratio = Old Ratio – New Ratio

Mamta's Sacrifice = $\frac{5}{8} - \frac{4}{7} = \frac{35 - 32}{56} = \frac{3}{56}$

Manu's Sacrifice = $\frac{3}{8} - \frac{2}{7} = \frac{21 - 16}{56} = \frac{5}{56}$

Sacrifice Ratio = 3 : 5

Q 4. प्राप्ति अनुपात एवं त्याग अनुपात में कोई दो अन्तर लिखिये।

Write any TWO Difference between Gain Ratio and Sacrifice Ratio .

[1 Mark]

Sol.

प्राप्ति अनुपात एवं त्याग अनुपात में अन्तर

क्र॰ सं	अन्तर का आधार	प्राप्ति अनुपात	त्याग अनुपात
1.	अर्थ	इसमेंशेषसाझेदार अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार या मत साझेदार के लाभ के भाग को प्राप्त करते है।	इसमें पुराने साझेदार अपने लाभ का हिस्सा नये साझेदार के पक्ष में त्याग करते है।
2.	गणना का समय	किसी साझेदार के अवकाश ग्रहण करने अथवा मत्यु पर।	नये साझेदार के प्रवेश पर।

Q 5. फर्म के समापन से आप क्या समझते है ?

What do you mean by Dissolution of Firm ?

[1 Mark]

Sol.

भारतीय साझेदारी अधिनियम , 1932 की धारा 39 के अनुसार "किसी फर्म के समस्त साझेदारों के मध्य साझेदारी का समाप्त हो जाना , फर्म का विघटन अथवा फर्म का समापन कहलाता है।"

Q 6. याशु लिमिटेड ने गोयल लिमिटेड से₹ 6,00,000 में एक मशीन खरीदी एवं याशु लिमिटेड ने ₹ 10मूल्य वाले50,000 समता अंशों को 20 % प्रीमियम पर गोयल लिमिटेड को भुगतान हेतु जारी किये। अंश जारी करने की प्रविष्टि दीजिये। Yaashu Ltd. Purchased a machinery from Goyal Ltd. For ₹ 6,00,000 and Yaashu Ltd. Issued 50,000 Equity Shares @ ₹ 10 each at 20 % premium for payment to Goyal Ltd. Give entry for Issue of Shares.

[1 Mark]

Sol.

Premium Per Share = ₹ 10 x 20 % = ₹ 2 Per Share

JOURNAL of Yaashu Ltd.

Date	Particular	Dr. (₹)	Cr. (₹)
Date of Purchase	Machinery A/c. Dr. To Goyal Ltd. A/c. (Being Machinery Purchased from Gopal Ltd.)	6,00,000	6,00,000
Date of Issue	Goyal Ltd. A/c. Dr. To Equity Share Capital A/c. To Securities Premium A/c. (Being 50,000 Equity Shares @ ₹ 10 each Issued at 20 % Premium)	6,00,000	5,00,000 1,00,000

Q 7. कष्णा लिमिटेड ने20,000 अंशों को जारी करने हेतु प्रविवरण जारी किया।30,000 अंशों के लिये आवेदन प्राप्त हुआ। 24,000 अंशों के आवेदकों को यथानुपात बंटन किया। यदि राजेश को 400 अंश आवंटित किये हो तो उसके द्वारा आवेदित अंशों की संख्या ज्ञात करो। Krishna Ltd. Issued Prospectus to issue 20,000 Shares . Subscription received for 30,000 Shares . Pro-rata Allotment is made to Applicants of 24,000 Shares . If 400 Shares were Allotted to Rajesh , calculate number of shares applied by him .

[1 Mark]

Sol.

राजेश द्वारा आवेदित अंशों की संख्या = $\frac{400}{20,000}$ x 24,000 = 480 अंश

Q 8. संयुक्त साहस का समापन कब होता है ?

When Dissolution of the Joint Venture happens ?

[1 Mark]

Sol.

विशेष कार्य पूर्ण हो जाने अथवा पूर्व निश्चित अवधि के समाप्त हो जाने के साथ ही संयुक्त साहस भी स्वतः समाप्त हो जाता है।

Q 9. R , S तथा T एक फर्म में 5 : 3 : 2 के अनुपात में लाभ हानि बाँटते है। R 31stमार्च , 2018 को अवकाश ग्रहण करता है। इस तिथि को फर्म के चिट्ठे में संचय का शेष₹ 30,000 तथा लाभ हानि खाते का डेबिट शेष₹ 15,000था।

R के अवकाश ग्रहण पर संचित लाभों एवं हानियों को अपलिखित करने हेतु जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिये।

R , S and T are Partners in a firm , sharing Profits and Losses in ratio of 5 : 3 : 2 . R Retires from the firm on 31stMarch , 2018 . The Balance Sheet of the Firm showed a Balance of Reserve ₹ 30,000 and Dr. Balance of Profit and Loss Account ₹ 15,000 on that Date .

Make Journal Entries for Writing Off Accumulated Profits and Losses .

[2 Marks]

Sol.

JOURNAL of Firm

Date	Particular	Dr. (₹)	Cr. (₹)
2018, March 31	Reserve A/c. Dr. To R's Capital A/c. To S's Capital A/c. To T's Capital A/c. (Being Reserve Written Off in 5 : 3 : 2 Ratio)	30,000	 15,000 9,000 6,000
2018, March 31	R's Capital A/c. Dr. S's Capital A/c. Dr. T's Capital A/c. Dr. To Profit and Loss A/c. (Being Profit and Loss Debit Balance Written Off in 5 : 3 : 2 Ratio)	7,500 4,500 3,000	 15,000

Q 10. P , Q तथा R एक फर्म में साझेदार है जो 3 : 2 : 1 के अनुपात में लाभ हानि विभाजन करते है। फर्म की पुस्तकें प्रतिवर्ष 31st मार्च को बन्द की जाती है। 1st जुलाई , 2015को P फर्म से अवकाश ग्रहण करता है। 31st मार्च , 2015 को समाप्त गत लेखावर्ष में फर्म ने ₹ 2,40,000 लाभ कमाया। चालू वर्ष में लाभ गतवर्ष की तुलना में 25 % अधिक होने की संभावना है। अवकाश ग्रहण की तिथि को चालू वर्ष के लाभ में P का हिस्सा ज्ञात कीजिये तथा P को देय लाभ की प्रविष्टि कीजिये।

P , Q and R are Partners in a Firm , Sharing Profits and Losses in the Ratio of 3 : 2 : 1 . P Retires from the Firm on 1st July , 2015 . The Firm Closes its Books on 31st March each year . The Firm Earned a Profit of ₹ 2,40,000 during the Previous Accounting Year ended on 31st March , 2015 . It is estimated that Current Year's Profit would be 25 % More than Previous Year .

Determine the Share of P on the Date of Retirement in the Current Year's Profit . Also make Journal Entry for Profit given to P .

[2 Marks]

Sol.

चालू वर्ष का अपेक्षित लाभ = ₹ 2,40,000 + ₹ 60,000 (25 % of ₹ 2,40,000) = **₹ 3,00,000**

1st अप्रैल , 2015 से 1st जुलाई , 2015 तक का लाभ = $₹\ 3,00,000 \times \frac{3}{12}$ = **₹ 75,000**

P का चालू वर्ष के लाभ में हिस्सा = $₹\ 75,000 \times \frac{3}{6}$ = **₹37,500**

JOURNAL of Firm

Date	Particular	Dr. (₹)	Cr. (₹)
2015, July 1	Profit and Loss Suspense A/c. Dr. To P's Capital A/c. (Being Share in Current years Profit upto Retirement given)	37,500	37,500

Q 11. X , Y तथा Z 3 : 3 : 2 के अनुपात में लाभ बाँटते हुये साझेदार है। Z के निवत होने पर संयुक्त बीमा पॉलिसी का समर्पण मूल्य ₹ 1,60,000 आंका गया। पॉलिसी खाता भविष्य में पुस्तकों में नहीं दिखाना है तथा भविष्य में शेष साझेदार लाभ बराबर-बराबर बाँटना तय करते है।

फर्म की पुस्तकों में आवश्यक जर्नल प्रविष्टि/प्रविष्टियाँ दीजिये यदि प्रीमियम को व्यापारिक खर्च माना जाता है।

X , Y and Z are Partners sharing Profits in the Ratio of 3 : 3 : 2 . The Surrender Value of Joint Life Policy is ₹ 1,60,000 on the Date of Retirement of Z . It is decided that Joint Life Policy will Not Appear in the Balance Sheet . X and Y decide to Share Future Profits Equally .

Give necessary Journal Entries in the Books of the Firm, when Premium is Treated as Trade Expenses.

[2 Marks]

Sol.

Z का संयुक्त बीमा पॉलिसी में हिस्सा = ₹ 1,60,000 x $\frac{2}{8}$ = ₹ 40,000

फायदे का अनुपात = नया अनुपात – पुराना अनुपात

X का फायदा = $\frac{1}{2} - \frac{3}{8} = \frac{4-3}{8} = \frac{1}{8}$

Y का फायदा= $\frac{1}{2} - \frac{3}{8} = \frac{4-3}{8} = \frac{1}{8}$ = 1 : 1

JOURNAL of Firm

Date	Particular		Dr. (₹)	Cr. (₹)
Date of Retirement	X's Capital A/c.	Dr.	20,000	
	Y's Capital A/c.	Dr.	20,000	
	To Z's Capital A/c.			40,000
	(Being Share in Surrender Value given in Gaining Ratio 1 : 1)			

OR

JOURNAL of Firm

Date	Particular		Dr. (₹)	Cr. (₹)
Date of Retirement	Joint Life Policy A/c.	Dr.	1,60,0000	
	To X's Capital A/c.			60,000
	To Y's Capital A/c.			60,000
	To Z's Capital A/c.			40,000
	(Building JLP A/c. Opened by Surrender Value in Old Ratio 3 : 3 : 2)			
Date of Retirement	X's Capital A/c.	Dr.	80,000	
	Y's Capital A/c.	Dr.	80,000	
	To Joint Life Policy A/c.			1,60,000
	(Being JLP A/c. Written Off in their New Ratio 1 : 1)			

Q 12. स्थिति विवरण के "संचय एवं आधिक्य" शीर्षक के अन्तर्गत लिखी जाने वाली चार मदें लिखिये।

Write FOUR Items under the Head of "Reserves and Surplus" of Balance Sheet .

[2 Marks]

Sol.

(i) (पूँजी संचय) Capital Reserve

(ii) (पूँजी शोधन संचय) Capital Redemption Reserve

(iii) (प्रतिभूति प्रीमियम संचय) Securities Premium Reserve

(iv) (ऋणपत्र शोधन संचय) Debenture Redemption Reserve

Q 13. रोकड़ तुल्य को समझाइये। Explain Cash Equivalents .

[2 Marks]

Sol.

ऐसे अल्पकालीन अत्यधिक तरल विनियोग है , जिन्हें तुरन्त रोकड़ में परिवर्तित किया जा सकता है तथा इनके मूल्य में परिवर्तन का जोखिम नहीं के बराबर होता है। किसी भी विनियोग को रोकड़ तुल्य तभी माना जाता है , जबकि इसकी परिपक्वता अवधि कम से कम अर्थात् प्राप्त करने की तिथि से तीन माह अथवा इससे कम हो।

Q 14. संयुक्त साहस सम्बन्धी व्यवहारों का लेखा रखने की विधियाँ बताइये।

State the Methods of Accounting for Joint Venture Transactions .

[2 Marks]

Sol.

(i) संयुक्त साहस के लिये पथक से लेखा पुस्तकें रखना ।

(ii) संयुक्त साहस के लिये पथक से लेखा पुस्तकें नहीं रखना :

- प्रत्येक साहसी द्वारा केवल स्वयं के लेन-देनों का लेखा करना।
- स्वयं के लेन-देनों के साथ ही अन्य साहसियों के लेन-देनों का भी लेखा करना।

Q 15. मनोज तथा मुकेश ने 1st जनवरी , 2016 को क्रमशः ₹ 2,000 तथा ₹ 20,000 की पूँजी के साथ साझेदारी फर्म शुरू की। 1st मार्च , 2016, को मनोज ने ₹8,000 की अतिरिक्त पूँजी लगाई। उसी दिन मुकेश ने अपनी पूँजी से₹6,000निकाले। मुरली ने 1st जुलाई , 2016 को ₹30,000 की पूँजी के साथ फर्म में प्रवेश किया। उस दिन मनोज तथा मुकेश क्रमशः₹12,000 तथा ₹10,000 की अतिरिक्त पूँजी लगाते है। लाभ हानि पूँजी अनुपात में विभाजित किये जाते है। वर्ष 2016 के लाभ ₹59,600थे। पूरी गणना देते हुये लाभ हानि नियोजन खाता बनाइये।

Manoj and Mukesh started a Partnership Firm on 1st January , 2016 with a Capital of ₹ 2,000 and ₹ 20,000 respectively . On 1st March , 2016 , Manoj introduced Additional Capital of ₹8,000 . On that day , Mukesh Withdrew ₹6,000 from His Capital . Murli entered in the Firm on 1st July , 2016 with a Capital of ₹30,000 . On that day , Manoj and Mukesh introduced Additional Capital of ₹12,000 and ₹10,000 respectively . Profit and Loss are Distributed in Capital Ratio . The Profits for the year 2016 were ₹59,600 . .

Prepare Profit and Loss Appropriation Account by giving detailed calculations .

[4 Marks]

Sol.

Calculation of Effective Capital Ratio :

MANOJ :

1st January , 2016 to 1st March , 2016	=	₹ 2,000 x 2	= ₹ 4,000
1st March , 2016 to 1st July , 2016	=	₹ 10,000 x 4	= ₹ 40,000
1st July , 2016 to 31st December , 2016	=	₹ 22,000 x 6	= ₹ 1,32,000
TOTAL			**₹ 1,76,000**

MUKESH :

1st January , 2016 to 1st March , 2016	=	₹ 20,000 x 2	= ₹ 40,000
1st March , 2016 to 1st July , 2016	=	₹ 14,000 x 4	= ₹ 56,000
1st July , 2016 to 31st December , 2016	=	₹24,000 x 6	= ₹ 1,44,000
		TOTAL	**₹2,40,000**

MURLI :

1st July , 2016 to 31st December , 2016	=	₹ 30,000 x 6	= ₹ 1,80,000
		TOTAL	**₹1,80,000**

Capital Ratio : ₹1,76,000 : ₹2,40,000 : ₹1,80,000

44 : 60 : 45

Profit and Loss Appropriation Account

Dr. **For the year ending 31st December , 2016** **Cr.**

Particulars	(₹)	Particulars	(₹)
To Manoj's Capital (₹ 59,600 x 44/149)	17,600	By Profit for the Year.	59,600
To Mukesh's Capital (₹ 59,600 x 60/149)	24,000		
To Murli's Capital (₹ 59,600 x 45/149)	18,000		
	59,600		**59,600**

Q 16. संजना तथा रंजना एक फर्म में साझेदार है। 31st मार्च , 2015 को साझेदारों की पूँजी क्रमशः ₹ 4,00,000 तथा ₹ 2,00,000है तथा लेनदार ₹ 90,000 है । इसी तिथि को फर्म के समापन पर सम्पत्तियों का वसूली मूल्य₹ 3,60,000 है । वसूली खाता बनाइये।

Sanjana and Rajana were Partners in a Firm . On 31st March , 2015 Capital of the Partners are ₹ 4,00,000 and ₹ 2,00,000 and Creditors worth ₹ 90,000 . Realizable Value of Assets is ₹ 3,60,000 on the Same Date , at the Time of Dissolution of the Firm . Prepare Realization Account .

[4 Marks]

Sol.

Note :स्पष्ट सूचना के अभाव में साझेदारों का लाभ हानि अनुपात बराबर माना गया।

Memorandum Balance Sheet as at 31st March , 2015

Liabilities	(₹)	Assets	(₹)
Sanjana's Capital	4,00,000	Sundry Assets	6,90,000
Ranjana's Capital	2,00,000	(Bal. Fig.)	
Creditors	90,000		
	6,90,000		**6,90,000**

Dr. **Realization Account** **Cr.**

Particulars	(₹)	Particulars	(₹)
To Sundry Assets	6,90,000	By Creditors A/c.	90,000
To Cash A/c.	90,000	By Cash A/c.	3,60,000
(Creditors)		(Assets Realized)	
		By Sanjana's Capital A/c.	1,65,000
		By Rajana's Capital A/c..	1,65,000
		(3,30,000 x (1/2 : 1/2))	
	7,80,000		**7,80,000**

Q 17. रोहित और राहुल कपड़े का क्रय विक्रय करने हेतु संयुक्त साहस में प्रवेश करते है तथा लाभ-हानि 3 : 2 के अनुपात में बाँटने का निश्चय करते है। रोहित नेरँ 50,000 के कपड़े खरीदे तथा ₹ 500 भाड़ा ; ₹ 100 बीमा व्यय ; ₹ 400 गाड़ी भाड़ा तथा ₹ 300 विविध व्यय के चुकाये । राहुल ने ₹ 30,000 के कपड़े खरीदे एवं ₹ 200 गोदाम किराया ; ₹ 100 बीमा प्रीमियम तथारँ 100 गाड़ी भाड़े के चुकाये। रोहित ने कुछ कपड़ा ₹ 60,000 में तथा राहुल ने शेष कपड़ा ₹ 38,000 में बेच दिया। .

रोहित की पुस्तकों में संयुक्त साहस खाता एवं राहुल का खाता बनाइये।

Rohit and Rahul entered in Joint Venture to Purchase and Sales of Cloth and Decide to Distribute Profit or Loss in 3 : 2 Ratios . Rohit Purchased Cloth of ₹ 50,000 and Paid ₹ 500 Freight ; ₹ 100 Insurance Expenses ; ₹ 400 Carriage and ₹ 300 Sundry Expenses . Rahul Purchased Cloth of ₹ 30,000 and Paid ₹ 200 Godown Rent ; ₹ 100 Insurance Premium and ₹ 100 Carriage .

Rohit Sold Part of the Cloth for Worth ₹ 60,000 and Rahul Sold the Remaining Cloth for ₹ 38,000 .

Prepare Joint Venture Account and Rahul's Account in the Books of Rohit . **[4 Marks]**

Sol.

In the Books of Rohit

Dr. **Joint Venture Account** **Cr.**

Particulars	(₹)	Particulars	(₹)
To Bank (Purchase)	50,000	By Bank A/c. (Sales)	60,000
To Bank (Expenses)	1,300	By Rahul's A/c. (Sales)	38,000
To Rahul's (Purchase)	30,000		
To Rahul's (Expenses)	400		
To Profit and Loss A/c.	9,780		
(16,300 x 3/5)			
To Rahul's A/c.	6,520		
(16,300 x 2/5)			
	98,000		**98,000**

Dr. **Rahul's Account** **Cr.**

Particulars	(₹)	Particulars	(₹)
To Joint Venture A/c.	38,000	By Joint Venture A/c.	30,000
		By Joint Venture A/c.	400
		By Joint Venture A/c.	6,520
		By Bank A/c. (Bal. Fig.)	1,080
	38,000		**38,000**

Q 18. निम्नांकित पर टिप्पणी लिखिये । Write Notes on the following :

(i) सामान्य कमीशन Ordinary / General Commission

(ii) परिशोध कमीशन Del-Credere Commission .

[4 Marks]

Sol.

(i) सामान्य कमीशन **(Ordinary / General Commission)** : प्रेषणी को माल के विक्रय मूल्य या बीजक मूल्य पर निश्चित दर से कमीशन दिया जाता है। यह प्रेषणी के कार्य का प्रतिफल है।

(ii) परिशोध कमीशन **(Del-Credere Commission)** :यदि प्रेषक ने प्रेषणी को माल को उधार विक्रय करने हेतु अधीकत किया है , तो ऐसी स्थिति में डूबत ऋण की सम्भावना भी रहती है , जिसे प्रेषक वहन करता है। यदि डूबत ऋण वहन करने एवं उधार राशि वसूल करने का उत्तरदायित्व प्रेषणी लेता है तो इस कार्य हेतु प्रेषक द्वारा प्रेषणी को अतिरिक्त कमीशन दिया जाता है , जिसे परिशोध कमीशन कहते है।

इसकी गणना स्पष्ट सूचना के अभाव में कुल विक्रय पर निश्चित प्रतिशत से की जाती है।

Q 19. साँखला ट्रेडर्स ने वनस्पति घी के 5,000 पीपे ₹ 1,200 प्रति पीपा लागत पर मेसर्स मेघा ट्रेडर्स को चालानी पर भेजे तथा₹ 50,000 रेलभाड़ा चुकाया। मार्ग में 200 पीपे चोरी हो गये , जिसके लिये बीमा कम्पनी से₹ 1,80,000 दावे के प्राप्त हुये। एजेण्ट ने शेष माल की सुपुर्दगी ली तथा₹ 27,000 चुंगी तथा₹ 8,000 बिक्री व्यय के चुकाये। उसने4,250 पीपे @ ₹ 1,500 प्रति पीपा की दर से बेच दिये तथा बिक्री पर₹ 50 प्रति पीपा कमीशन वसूल किया। असामान्य हानि तथा बिना बिके स्टॉक की राशि की गणना करते हुये प्रेषक की पुस्तको में प्रेषण खाता बनाइये।

Sankhla Traders Consinged 5,000 Vegetable Oil Tins @ ₹ 1,200 Per Tin at cost to M/s. Megha Traders and Paid Railway Freight ₹ 50,000 . In course of Transit , 200 Tins was Theft . A sum of ₹ 1,80,000 is received from the Insurance Company as a Claim . Agent took delivery of remaining goods and paid ₹ 27,000 for Octroi and ₹ 8,000 as Selling Expenses . He Sold 4,250 Tins @ ₹ 1,500 Per Tin and Charged ₹ 50 Per Tin as Commission on Sales .

Prepare Consignment Account in the Books of Consignor , with calculating amount of Unsold Stock and Abnormal Loss .

[4 Marks]

Sol.

Working Note :

1. Calculation of Abnormal Loss in Transit (200 Tins)

Cost	=	200 Tins x₹ 1,200	= ₹ 2,40,000
Add : Non-Recurring Proportionate			
Expenses of Sankhla Traders			= ₹ 2,000
$\left(\frac{50,000}{5,000} \times 200\right)$			
	Abnormal Loss		**= ₹ 2,42,000**

2. Calculation of Unsold Stock :

= (5,000 Tins – 200 Tins Abnormal Loss – 4,250 Tins Sold)

= 550 Tins

Cost = 550 Tins x₹ 1,200 = ₹ 6,60,000.00

Add : Non-Recurring Proportionate Expenses of Sankhla Traders

$\left(\frac{50,000}{5,000} \times 550\right)$ = ₹ 5,500.00

Add : Non-Recurring Proportionate Expenses Of Megha Traders

$\left(\frac{27,000}{4,800} \times 550\right)$ = ₹3,093.75

Unsold Stock = ₹6,68,593.75

In the Books of Sankhla Traders

Dr. Consignment Account Cr.

Particulars	(₹)	Particulars	(₹)
To Goods Sent on Consignment A/c.(5,000 Tins x 1,200)	60,00,000.00	By Megha Traders (Sales) (4,250 Tins x 1,500)	63,75,000.00
To Cash A/c. (Expenses)	50,000.00	By Abnormal Loss (W. N. 1)	2,42,000.00
To Megha Traders (Expenses)			
Octroi 27,000		By Unsold Stock A/c. (W. N. 2)	6,68,593.75
Selling Expenses 8,000	35,000.00		
To Megha Traders (Commission) (4,250 Tins x 50)	2,12,500.00		
To Profit and Loss A/c. (Bal. Fig.)	9,88,093.75		
	72,85,593.75		**72,85,593.75**

Q 20. निम्नांकित सूचनाओं से 31st मार्च , 2010 को समाप्त होने वाले वर्ष का प्राप्ति एवं भुगतान खाता बनाइये।

Prepare Receipts and Payments Account for the year ending 31st March , 2010 from the following information ;

Particulars		Amount (₹)
Cash-in-Hand (Opening)	(प्रारम्भिक रोकड़ शेष)	40,000
Donation Received	(दान प्राप्त किया)	2,00,000
Subscription Received	(चन्दा प्राप्त किया)	4,00,000
Paid for Electricity Bill	(बिजली बिलों का भुगतान किया)	80,000
Rent ₹ 4,000 Per Month . Actually Paid for 11 Months during the year (किराया ₹ 4,000 मासिक, वर्ष के दौरान 11 माह का भुगतान किया)		
Purchases of Computer in Cash	(कम्प्यूटर नकद में क्रय किया)	2,00,000
Honorarium Paid	(मानदेय भुगतान)	76,000
Purchases of Machinery from Ram	(राम से मशीनरी खरीदी)	1,00,0000

[4 Marks]

Sol.

Note :

राम से मशीनरी खरीदी , उधार लेन-देन है। अतः प्राप्ति एवं भुगतान खाते में नहीं आयेगा।

Receipts and Payment Account

For the year ended 31st March , 2010

Particulars	(₹)	Particulars	(₹)
To Balance b/d.	40,000	By Paid for Electricity Bill	80,000
To Donations	2,00,000	By Rent Paid	44,000
To Subscriptions	4,00,000	(4,000 x 11 Months)	
		By Computers	2,00,000
		By Honororium	76,000
		By Balance c/d.	2,40,000
		(Bal. Fig.)	
	6,40,000		**6,40,000**

Q 21. निम्नांकित मदों को आय-व्यय खाते एवं चिट्ठे में दर्शाइये।

Show the following Items in Income and Expenditure Account and Balance Sheet :

Particulars	Amount (₹)
Amount Received from Legacy (वसीयत से प्राप्त राशि)	50,000
Subscription Received in Current Year (चालू वर्ष में प्राप्त चन्दा)	25,000
Outstanding Subscription of Current Year (चालू वर्ष का बकाया चन्दा)	5,000
Entrance Fees ₹ 20,000, (50 % Part should be Capitalized)	
प्रवेश शुल्क ₹ 20,000 , (50प्रतिशत हिस्सा पूँजीगत माना जाये)	
Life Membership Fees(आजीवन सदस्यता शुल्क)	40,000
General Donation Received(सामान्य दान प्राप्त किया)	2,500

[4 Marks]

Sol.

Income and Expenditure Account

Dr. **For the year ended _____** **Cr.**

Expenditure	(₹)	Income		(₹)
		By Subscription	25,000	
		Add : Current year		
		Outstanding	5,000	30,000
		By Entrance Fees		10,000
		(20,000 x 50 %)		
		By Donations		2,500

Balance Sheet as at _____

Liabilities	(₹)	Assets	(₹)
Capital Fund xxxx		Outstanding Subscription	5,000
Add : Legacy 50,000			
Add : Entrance Fees 10,000	60,000		
(20,000 x 50 %)			
Life Membership Fees	40,000		

Q22. सोनू तथा मोनू क्रमशः 3 : 2 के अनुपात में लाभ बाँटते हुये साझेदार है। 31st मार्च , 2012 को उनका चिट्ठा निम्न प्रकार है : :Sonu and Monu are in Partnership , Sharing Profits in the Ratio of 3 : 2 . Their Balance Sheet as on 31st March , 2012 was as follows :

Balance Sheet as at 31st March , 2012

Liabilities	(₹)	Assets	(₹)
Creditors (लेनदार)	7,500	Cash(रोकड़)	9,750
General Reserve (सामान्य संचय)	4,500	Debtors(देनदार) 15,000	
Profit and Loss Account (लाभ हानि खाता)	3,000	Less : Provision 6,000 (घटाये : आयोजन)	9,000
Partners' Capital A/c.: (साझेदारों के पूँजी खाते)		Stock(स्टॉक)	22,500
		Furniture(फर्नीचर)	9,750
		Goodwill(ख्याति)	9,000
Sonu (सोनू)30,000			
Monu (मोनू)15,000	45,000		
	60,000		**60,000**

वे टोनू को 1st अप्रैल , 2012 से 1/3rd भाग के लिये इन शर्तो पर प्रवेश देते है कि वह अपने हिस्से की ख्याति के लिये व्यापार में रकम का भुगतान करें तथा इतनी पर्याप्त पूँजी लाये जिससे कि उसे नई फर्म की कुल पूँजी का 1/3rd हिस्सा प्राप्त हो जाये। फर्म की ख्याति का मूल्यांकन गत तीन वर्षो के औसत लाभ के दो गुने के आधार पर करते हुये समायोजित किया जाता है। इन वर्षो के लाभ क्रमशः₹ 15,000 ; ₹ 8,300 (हानि)तथा ₹25,000 है। आगे यह भी तय किया जाता है कि डूबत ऋण आयोजन को ₹2,000 तक घटाया जाये , स्टॉक का पुर्नमूल्यांकन₹30,000 पर किया जाये , फर्नीचर को₹7,500 तक घटाया जाये तथा बकाया खर्च ₹2,000 एवं अर्जित आय ₹500 पुस्तकों में लाये जाये।

They decided to Admit Tonu on 1st April , 2012 for 1/3rd Share with the terms that He has to pay cash into the business for his Share of Goodwill and Sufficient Capital to give him a 1/3rd Share of the Total Capital of the New Firm . The Goodwill of the Firm is adjusted by valuing it at two years purchases of the average profits of the last three years . Profit or Loss for these years being :₹ 15,000 ; ₹ 8,300 (Loss) and ₹25,000 .

It was further agreed that the Provision for Bad Debts be Reduced to ₹2,000 , that the Stock be Revalued at ₹30,000 , that the Furniture be Reduced to ₹7,500 and Outstanding Expenses ₹2,000 and Accrued Income ₹500 to be Brought into Books .

फर्म की पुस्तकों में पुर्नमूल्यांकन खाता एवं साझेदारों के पूँजी खाते बनाइये।

Prepare : Revaluation Account and Partners' Capital Account in the Books of the Firm .

OR

A , B तथा C साझेदारी में व्यवसाय कर रहे थे। 31st मार्च , 2015 को फर्म का चिट्ठा निम्न प्रकार था :

The Partners A , B and C were carrying on Business . The Balance Sheet of the Firm as at 31st March , 2015 was as under :

Balance Sheet as at 31st March , 2015

Liabilities		(₹)	Assets	(₹)
Creditors(लेनदार)		13,500	Cash in Hand (हस्तगत रोकड़)	5,900
General Reserve (सामान्य संचय)		12,000	Debtors (देनदार)	8,000
Bank Loan(बैंक ऋण)		5,000	Stock(स्टॉक)	11,600
Partners' Capital A/cs. : (साझेदार पूँजी खाते)			Building(भवन)	23,000
			Goodwill(ख्याति)	15,000
A	15,000			
B	10,000			
C	8,000	33,000		
		63,500		**63,500**

1st अप्रैल , 2015 को B अवकाश ग्रहण करता है तथा उस समय निम्न निर्णय लिये गये :

B Retires on 1st April , 2015 . The following decisions were taken at that time :

(i) भवन का मूल्य ₹7,000 से बढ़ाना है।. Value of Building is Increased by ₹ 7,000 .

(ii) विविध देनादारों पर5 % की दर से संदिग्ध ऋणों के लिये आयोजन करना है।
Provision for Bad Debts @ 5 % is made on Sundry Debtors .

(iii) फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹ 18,000 पर किया गया। यह भी निश्चय किया गया कि B के अवकाश ग्रहण पश्चात् लेखा पुस्तकों में ख्याति नहीं दिखाई जायेगी। Goodwill is Valued at ₹ 18,000 and it is also Committed that after Retirement of B , it will not be Shown in the Books .

(iv) ₹ 5,000 B को तुरन्त भुगतान तथा शेष उसके ऋण खाते में हस्तांतरित कर दिये जाये। Payment of ₹ 5,000 is made to B Immediately and Balance is Transferred to His Loan Account .

फर्म की पुस्तकों में पुर्नमूल्यांकन खाता , साझेदारों के पूँजी खाते तथा चिट्ठा बनाइये ।

Prepare :

Revaluation Account , Partners' Capital Accounts and Balance Sheet in the Books of the Firm .

[6 Marks]

Sol. Working Note :

1. Valuation of Firm's Goodwill :

$$\text{Average Profit} = \frac{₹\ 15,000 + (₹\ 8,300) + ₹\ 25,000}{3}$$

$$= \frac{₹\ 31,700}{3} = ₹\ 10,567$$

Goodwill = Average Profit x 2 Times

= ₹ 10,567 x 2 = ₹ 21,134

Premium for Goodwill = ₹ 21,134 x (1/3)= ₹ 7,045

2. Calculation of Capital of Tonu :

Total Adjusted Capital of Sonu and Monu

= ₹ 37,977 + ₹ 20,318 = ₹ 58,295

Assume Total Profit = 1 Remaining Profit = 1 – (1/3) = (2/3)

New Capital of Firm = ₹ 58,295 x (3/2) =₹ 87,443

Tonu's Capital = ₹ 87,443 x (1/2)= ₹ 29,148

Dr. Revaluation Account Cr.

Particulars	(₹)	Particulars	(₹)
To Furniture A/c.	2,250	By Provision for Bad Debts	4,000
To Outstanding Expenses	2,000	By Stock A/c.	7,500
To Sonu's Capital A/c. (7,750 x (3/5))	4,650	By Accrued Income A/c.	500
To Monu's Capital A/c. (7,750 x (2/5))	3,100		
	12,000		**12,000**

Dr. Partners' Capital Account Cr.

Particulars	Sonu (₹)	Monu (₹)	Tonu (₹)	Particulars	Sonu (₹)	Monu (₹)	Tonu (₹)
To Goodwill A/c. $\left(9{,}000 \times \frac{3:2}{5}\right)$	5,400	3,600	—	By Balance b/d.	30,000	15,000	—
				By Premium for Goodwill $\left(7{,}045 \times \frac{3:2}{5}\right)$	4,227	2,818	—
To Balance c/d.	37,977	20,318	—	By Revaluation A/c.	4,650	3,100	—
				By Gen. Reserve A/c. $\left(4{,}500 \times \frac{3:2}{5}\right)$	2,700	1,800	—
				By Profit & Loss A/c. $\left(3{,}000 \times \frac{3:2}{5}\right)$	1,800	1,200	—
	43,377	**23,918**	**—**		**43,377**	**23,918**	**—**
To Balance c/d. (Bal. Fig)	37,977	20,318	29,148	By Balance b/d.	37,977	20,318	—
				By Cash A/c. (W. N.)	—	—	29,148
	37,977	**20,318**	**29,148**		**37,977**	**20,318**	**29,148**

OR

Working Note :

1. B's Share of Goodwill = ₹ 18,000 x (1/3) = ₹ 6,000

New and Gaining Ratio = A : C

1 : 1

Dr. Revaluation Account Cr.

Particulars	(₹)	Particulars	(₹)
To Provision for Doubtful Debts (₹ 8,000 x 5 %)	400	By Building A/c.	7,000
To A's Capital A/c. (₹ 6,600 x 1/3)	2,200		
To B's Capital A/c. (₹ 6,600 x 1/3)	2,200		
To C's Capital A/c. (₹ 6,600 x 1/3)	2,200		
	7,000		**7,000**

Dr. Partners' Capital Account Cr.

Particulars	A (₹)	B (₹)	C (₹)	Particulars	A (₹)	B (₹)	C (₹)
To Goodwill A/c. $\left(15{,}000 \times \frac{1:1:1}{3}\right)$	5,000	5,000	5,000	By Balance b/d.	15,000	10,000	8,000
				By A's Capital A/c.	—	3,000	—
				By C's Capital A/c.	—	3,000	—
To B's Capital A/c.	3,000	—	3,000	$\left(6{,}000 \times \frac{1:1}{2}\right)$			
To Cash A/c.	—	5,000	—				
To B's Loan A/c. (Bal. Fig.)	—	12,200	—	By Revaluation A/c.	2,200	2,200	2,200
				By General Reserve	4,000	4,000	4,000
To Balance c/d. (Bal. Fig.)	13,200	—	6,200	A/c. $\left(12{,}000 \times \frac{1:1:1}{3}\right)$			
	21,200	**22,200**	**14,200**		**21,200**	**22,200**	**14,200**

Balance Sheet as at 1st April , 2015

Liabilities		(₹)	Assets		(₹)
Creditors		13,500	Cash in Hand		900
Bank Loan		5,000	Debtors	8,000	
B's Loan		12,200	Less : P.B.D.	400	7,600
Partners' Capital A/cs. :			Stock		11,600
A	13,200		Building		30,000
C	6,200	19,400			
		50,100			**50,100**

Q 23. हिमान्शु लिमिटेड ने ₹ 10,00,000 के 9 % ऋणपत्रों का निर्गमन निम्न प्रकार से किया :

Himanshu Ltd. Issued 9 % Debentures of ₹ 10,00,000 as follows :

(i) ₹ 5,00,000 के 9 % ऋणपत्रों को 10 % बट्टे पर नकद के लिये ।

9 % Debentures of ₹ 5,00,000 at 10 % Discount for Cash .

(ii) स्नेहा लिमिटेड से ₹ 2,25,000 में मशीन क्रय की , उसके प्रतिफल स्वरूप उसको ₹ 2,50,000 अंकित मूल्य के 9 % ऋणपत्र निर्गमित किये।

A Machine of ₹ 2,25,000 Purchased from Sneha Ltd. For the consideration of it , 9 % Debentures were Issued with a Nominal Value of ₹ 2,50,000 ..

(iii) बैंक से ₹ 1,25,000 का ऋण लिया। सम्पार्श्विक प्रतिभूति के रूप में बैंक के पास ₹ 2,50,000 के 9 % ऋणपत्र जमा कराये।Taken a Loan of ₹ 1,25,000 from Bank and Deposited to the Bank , 9 % Debentures of ₹ 2,50,000 as Collateral Security .

हिमान्शु लिमिटेड की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिये।

Give Journal Entries in the Books of Himanshu Ltd.

[6 Marks]

Sol.

JOURNAL OF Himanshu Ltd.

Date	Particular	Dr. (₹)	Cr. (₹)
(i)	Bank A/c. Dr. Discount on Issue of Debentures A/c. Dr. To 9 % Debentures A/c.. (Being 9 % Debentures Issued for Cash at 10 % Discount)	4,50,000 50,000	5,00,000
(ii)	Machine A/c. Dr. To Sneha Ltd. A/c. (Being Machine Purchased from Sneha Ltd.)	2,25,000	2,25,000
	Sneha Ltd. A/c. Dr. Discount on Issue of Debentures A/c. Dr. To 9 % Debentures A/c.. (Being 9 % Debentures Issued to Sneha Ltd. at Discount)	2,25,000 25,000	2,50,000
(iii)	Bank A/c. Dr. To Bank Loan A/c. (Being Bank Loan Taken)	1,25,000	1,25,000
	Debentures Suspense A/c. Dr. To 9 % Debentures A/c. (Being 9 % Debentures Issued as Collateral Security)	2,50,000	2,50,000

SECTION – B (खण्ड – B)

खण्ड B के दो भाग है। प्रत्येक भाग में सात प्रश्न है। परीक्षार्थियों को किसी एक भाग के सात प्रश्नों को हल करना है।

Section B has Two Portions . Every Portion has a Set of SEVEN Questions . Candidates can Attempt any Set of SEVEN Questions of any ONE Portion .

Q 24. **प्रवति अनुपात ज्ञात करने का सूत्र लिखिये।**

Write the formula for Calculating Trend Ratio .

[1 Mark]

Sol.

$$\text{प्रवति अनुपात(Trend Ratio)} = \frac{\text{उस मद की चालू वर्ष की राशि}}{\text{उस मद की आधार वर्ष की राशि}} \times 100$$

Q 25. **यदि प्रारम्भिक स्टॉकरें** 20,000 ; **शुद्ध क्रयरें** 50,000 ; **प्रत्यक्ष व्ययरें** 5,000**हैतथा अंतिम स्टॉकरें** 22,500 , **हो तो बेचे गये माल की लागत ज्ञात करो।** If Opening Stock ₹ 20,000 ; Net Purchase ₹ 50,000 ; Direct Expenses ₹ 5,000 and Closing Stock is ₹ 22,500 , then Calculate Cost of Goods Sold .

[1 Mark]

Sol.

Cost of Goods Sold

= Opening Stock + Net Purchase + Direct Expenses – Closing Stock

= ₹ 20,000 + ₹ 50,000 + ₹ 5,000 – ₹ 22,500

= ₹ 52,500

Q 26. समानाकार चिट्ठे का प्रारूप बनाइये। Make Proforma of "Common Size Balance Sheet" .

[2 Marks]

Sol.

Common Size Balance Sheet

Particulars	Note No.	Absolute Amounts (₹)		Percentage of Balance Sheet Total	
		Previous Year	Current Year	Previous Year	Current Year
1	2	3	4	5 = (3/Total x 100)	5 = (4/Total x 100)
I. EQUITY AND LIABILITIES :					
1. Shareholders Funds :					
(a) Share Capital					
(i) Equity Share Capital		—	—	—	—
(ii) Preference Share Capital		—	—	—	—
(b) Reserve & Surplus		—	—	—	—
2. Non-Current Liabilities					
(a) Long term Borrowings		—	—	—	—
(b) Long term Provisions		—	—	—	—
3. Current Liabilities :					
(a) Short-term Borrowings		—	—	—	—
(b) Trade Payables		—	—	—	—
(c) Other Current liabilities		—	—	—	—
(d) Short-term provisions		—	—	—	—
TOTAL		—	—	—	—
II. ASSETS :					
1. Non-Current Assets					
(a) FixedAssets		—	—	—	—
(i) Tangible Assets		—	—	—	—
(ii) Intangible Assets		—	—	—	—
(b) Non-Current Investment		—	—	—	—
(c) Long-term Loans and Advances		—	—	—	—
2.Current Assets					
(a) Current Investments		—	—	—	—
(b) Inventories		—	—	—	—
(c) Trade Receivables		—	—	—	—
(d) Cash and Cash Equivalents		—	—	—	—
(e) Short-term Loans and Advances		—	—	—	—
(f) Other Current Assets		—	—	—	—
TOTAL		—	—	—	—

Q 27. निम्न सूचनाओं से सकल लाभ एवं शुद्ध विक्रय की राशि ज्ञात कीजिये :

Find outGross Profit and Net Sales from the information given below :

		(₹)
○ Fixed Assets	(सम्पत्तियाँ)	1,50,000
○ Average Stock	(औसत स्टॉक)	70,000
○ Stock Turnover Ratio	(स्टॉक आवर्त अनुपात)	4 Times
○ Debtors	(देनदार)	40,000
○ Selling Price	(विक्रय मूल्य)	20 % Above Cost

(लागत मूल्य से 20 %अधिक)

[2 Marks]

Sol.

$$\text{Stock Turnover Ratio} = \frac{\text{Cost of Revenue from Operations}}{\text{Average Stock}}$$

$$= \frac{\text{Cost of Revenue from Operations}}{₹\ 70{,}000}$$

Cost of Revenue from Operations = ₹ 70,000 x 4 = ₹ 2,80,000

Gross Profit=₹ 2,80,000 x 20 % **= ₹ 56,000**

Net Sales =Cost of Revenue from Operations + Gross Profit

=₹2,80,000 + ₹56,000 **= ₹3,36,000**

Q 28. निम्नलिखित सूचनाओं से राम लिमिटेड का तुलनात्मक स्थिति विवरण बनाइये।

Prepare Comparative Balance Sheet of Ram Ltd. From the given information :

Particulars	2011 (₹)	2012 (₹)
LIABILITIES(दायित्व):		
Share Capital(अंश पूँजी)	80,000	1,20,000
Reserve(संचय)	24,000	20,000
Long Term Loan(दीर्घकालीन ऋण)	1,00,000	1,20,000
	2,04,000	**2,60,000**
ASSETS(सम्पत्तियाँ):		
Fixed Assets(स्थाई सम्पत्तियाँ)	1,60,000	2,04,000
Sundry Debtors(विविध देनदार)	20,000	40,000
Bank Balance(बैंक शेष)	24,000	16,000
	2,04,000	**2,60,000**

[4 Marks]

Sol.

Comparative Balance Sheet of Ram Ltd.

As on 2011 and 2012

Particulars	Note No.	2011	2012	Absolute Change (Increase or Decrease)	Percentage Change (Increase or Decrease)
1		2	3	4	5
		A	B	B – A = C	D = (C/A) x 100
		(₹)	(₹)	(₹)	%
I. Equity and Liabilities :					
1. Shareholders' Funds :					
Share Capital		80,000	1,20,000	40,000	50.00
Reserve		24,000	20,000	(4,000)	(16.67)
2. Non-Current Liabilities :					
Long Term Borrowings		1,00,000	1,20,000	20,000	20.00
TOTAL		**2,04,000**	**2,60,000**	**56,000**	**27.45**
II. Assets :					
3. Non-Current Assets :					
Fixed Assets		1,60,000	2,04,000	44,000	27.50
4. Current Assets :					
Sundry Debtors		20,000	40,000	20,000	100.00
Bank Balance		24,000	16,000	(8,000)	(33.33)
TOTAL		**2,04,000**	**2,60,000**	**56,000**	**27.45**

Q 29. रोकड़ प्राप्ति के सम्बन्ध में नैतिक आधार पर लेखाकंन किस प्रकार किया जाता है ? (कोई चार बिन्दु)

How the Accounting of Cash Receipts can be done on Ethical Basis ? (Any FOUR Points) .

[4 Marks]

Sol.

रोकड़ प्राप्ति के सम्बन्ध में :

(i) रोकड़ प्राप्ति से सम्बन्धित सभी प्रमाणकों पर क्रमांक लगे हों तथा उन्हें क्रमवार व्यवस्थित किया जाये।

(ii) सभी प्रमाणकों पर सक्षम अधिकारियों के हस्ताक्षर हों।

(iii) सभी प्रविष्टियों के साथ प्रमाणक का क्रमांक दिखाया जायें।

(iv) सभी रोंकड़ प्राप्तियाँ व्यवसाय से सम्बन्धित हों।

Q 30. निकिता लिमिटेड की पुस्तकों से निम्नलिखित सूचनाऐं प्राप्त की गई है :

Following information have been obtained from the Books of Nikita Ltd.

Particulars	2010 – 11 (₹)	2011 – 12 (₹)
Revenue from Operations (संचालन से आगम)	10,00,000	15,00,000
Trade Receivables on 1st April (व्यापारिक प्राप्यताऐं : 1stअप्रैल)	1,50,000	—
Trade Receivables on 31st March (व्यापारिक प्राप्यताऐं : 31stमार्च)	1,75,000	2,50,000
Inventory on 1st April (स्कन्ध : 1stअप्रैल)	1,60,000	—
Inventory on 31st March (स्कन्ध : 31stमार्च)	1,80,000	2,20,000

दोनों वर्षो के लिये व्यापारिक प्राप्य आवर्त अनुपात एवं स्कन्ध आवर्त अनुपात की गणना कीजिये। विक्रय पर लाभ 25 % .Calculate Trade Receivables Turnover Ratio and Inventory Turnover Ratio for both the years . Assuming that Profit on Sales is 25 % .

OR

रूचि लिमिटेड की पुस्तकों में निम्नांकित सूचनाये दी हुई हैं :

Following information given in the Books of Ruchi Ltd.

- 12 % , 1,000 अधिमान अंश प्रत्येक ₹ 100
  12 % , 1,000 Preference Shares @ ₹ 100 each ;
- 25,000 समता अंश प्रत्येक₹ 10 ; 25,000 Equity Shares @ ₹ 10 each
- कर पश्चात लाभ ₹ 1,90,000 ; Profit after Tax ₹ 1,90,000
- समता अंशों पर लाभांश चुकाया 40 % की दर से
  Dividend Paid on Equity Shares @ 40 % .

उपरोक्त सूचनाओं के आधार पर निम्न अनुपातों की गणना कीजिये :

Calculate following Ratio on the basis of above information :

(i) Earnings Per Share (प्रति अंश अर्जन)

(ii) Dividend Per Share (प्रति अंश लाभांश)

(iii) Dividend Payout Ratio . (लाभांश भुगतान अनुपात)

[6 Marks]

Sol.

Working Note :

1. Cost of Revenue from Operations = Revenue from Operations – Gross Profit

2010 – 11 = ₹ 10,00,000 – ₹ 2,50,000

= **₹ 7,50,000**

2011 – 12 = ₹ 15,00,000 – ₹ 3,75,000

= **₹11,25,000**

2. Average Trade Receivables

$$= \frac{\text{Opening Trade Receivables} + \text{Closing Trade Receivables}}{2}$$

2010 – 11 $= \frac{₹\ 1{,}50{,}000 + ₹\ 1{,}75{,}000}{2}$

= **₹1,62,500**

2011 – 12 $= \frac{₹\ 1{,}75{,}000 + ₹\ 2{,}50{,}000}{2}$

= **₹2,12,500**

3. Average Inventory $= \frac{\text{Opening Inventory} + \text{Closing Inventory}}{2}$

2010 – 11 $= \frac{₹\ 1{,}60{,}000 + ₹\ 1{,}80{,}000}{2}$

= **₹1,70,000**

2011 – 12 $= \frac{₹\ 1{,}80{,}000 + ₹\ 2{,}20{,}000}{2}$

= **₹2,00,000**

Trade Receivables Turnover Ratio $= \frac{\text{Revenue from Operations}}{\text{Average Trade Receivables}}$

2010 – 11 $= \frac{₹\ 10{,}00{,}000}{₹\ 1{,}62{,}500}$ = **6.153 Times**

2011 – 12 $= \frac{₹\ 15{,}00{,}000}{₹\ 2{,}12{,}500}$ = **7.058 Times**

Inventory Turnover Ratio $= \frac{\text{Cost of Revenue from Operations}}{\text{Average Inventory}}$

2010 – 11 $= \frac{₹\ 7{,}50{,}000}{₹\ 1{,}70{,}000}$ = **4.411 Times**

2011 – 12 $= \frac{₹\ 11{,}25{,}000}{₹\ 2{,}00{,}000}$ = **5.625 Times**

OR

Working Note :

Calculation of Earnings Available for Equity Shareholders (EAES)

Particulars	**Amount (₹)**
Profit After Tax	1,90,000
Less : Preference Share Dividend (₹ 1,00,000 x 12 %)	12,000
Earnings Available for Equity Shareholders	**1,78,000**

(i) **Earnings Per Share** = $\frac{\text{Earnings Available for Equity Shareholders}}{\text{Number of Equity Shares}}$

= $\frac{₹\ 1{,}78{,}000}{25{,}000}$ = **₹7.12 Per Share**

(ii) **Dividend Per Share** = $\frac{\text{Dividend Paid to Equity Shareholders}}{\text{Number of Equity Shares}}$

= $\frac{₹\ 1{,}00{,}000}{25{,}000}$ = **₹4Per Share**

(iii) **Dividend Pay-out Ratio** = $\frac{\text{Dividend Per Share}}{\text{Earnings Per Share}} \times 100$

= $\frac{4}{7.12} \times 100$ = **56.179 %**

OR

SECTION – B

Q 24. संयुक्तिकरण से आप क्या समझते है ? What do you mean by Networking ?

[1 Mark]

Ans. सूचनाओं के आदान प्रदान हेतु कम्प्युटर को कई उपकरणों से जोड़ा जाता है। इसमें इन्टरनेट प्रमुख है। एक छोटे नेटवर्क के रूप में इसे लोकल ऐरिया नेटवर्क **"Local Area Network" (LAN)**के माध्यम से जोड़ा जा सकता है। बड़े नेटवर्क के लिये **"Wide Area Network" (WAN)**का प्रयोग किया जाता है।

Q 25. यूजर इन्टरफेस से आप क्या समझते है ? What do you mean by User Interface ?

[1 Mark]

Ans. उपयोगकर्त्ता से सम्बन्ध स्थापित करने वाले स्क्रीन्स को तैयार करना , जिसको कि उपयोगकर्त्ता देखेगा तथा जिससे यूजर सम्बन्ध स्थापित करेगा और अपने कुछ आकड़ों को इनपुट करेगा अथवा कुछ आऊटपुट देखना चाहेगा , यूजर इन्टरफेस कहलाता है । जैसे पुस्तकालय के लिये कोई सॉफ्टवेयर बनाना हो ।

Q 26. एक्सेल में नई वर्कबुक बनाने की प्रक्रिया समझाइये।
Explain the Process of Creating a New Workbook in Excel .

[2 Marks]

Ans. एक्सेल में नई वर्कबुक को बनाना : वर्कबुक बनाने के लिये निम्न प्रक्रिया अपनाई जाती है :

- माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस एक्सेल 2010 (Microsoft Office Excel 2010) पर क्लिक करने के बाद माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस (Microsoft Office)बटन पर क्लिक करें।

- न्यू (New) पर क्लिक करें और उसके बाद
- ब्लैंक वर्कबुक (Blank Workbook) पर क्लिक करें। एक्सेल डिफॉल्ट (Default) रूप में एक रिक्त वर्कबुक खोलता है।

Q 27. वर्कबुक संरचना में "सेल को हटाना एवं कॉपी करना" से आप क्या समझते है ?।
What do you mean by "Moving and Copying Cells" in Structure of Work Book ?

[2 Marks]

Ans.

- सेल को हटाना **(Moving Cells)** : किसी सेल को एक स्थान से काट कर दूसरे स्थान में ले जाने के लिये मेनुबार (Menu Bar)में एडिट/कट का चयन करें अथवा कट बटन पर क्लिक करें।
- सेल को कॉपी करना**(Copying Cells)** : किसी सेल को कॉपी करने के लिये मेनुबार (Menu Bar)में एडिट/कॉपी का चयन करें अथवा कॉपी बटन पर क्लिक करें।

Q 28. लेखांकन सॉफ्टवेयर के प्रकारों का उल्लेख कीजिये। Narrate Types of Accounting Software .

[4 Marks]

Ans. लेखांकन साफ्टवेयर के प्रकार**(Types of Accounting Software)** :कम्प्यूटरीकत लेखांकन प्रणाली में लेखाकंन कार्य तथा उसका प्रतिवेदन संस्था की आवश्यकतानुसार तैयार किया जाता है। लेखाकन सॉफ्टवेयर जिन्हें लेखाकंन पैकेज कहते है , निम्नलिखित प्रकार की होती है :

- उपयोग के लिये तैयार सॉफ्टवेयर (Ready to Use Software): इनका निर्माण किसी विशेष उपयोगकर्त्ता के अनुसार नहीं किया जाता है। यह छोटे व्यापारियों के लिये उपयोगी सॉफ्टवेयर है जिनके बहुत कम मात्रा में व्यवहार होते है। इनमें गोपनियता का अभाव होता है , परन्तु यह सीखने में सरल तथा कम खर्चीले होते है। इसका प्रशिक्षण सरल होता है तथा प्रशिक्षण लागत भी नहीं लगती क्योंकि विक्रेता स्वयं ही बिना किसी लागत को प्राप्त किये प्रशिक्षण दे देता है। इन सॉफ्टवेयर में धोखे की सम्भावना अधिक रहती है क्योंकि इनमें गोपनियता निम्न स्तर की रहती है।
- व्यवस्थित सॉफ्टवेयर (Customized Software): यह मध्यम एवं बड़े व्यापारियों के लिये उपयोगी होते है। इनकी स्थापना एवं देखरेख की लागत अधिक रहती है क्योंकि तैयार सॉफ्टवेयर में उपयोगकर्त्ता की आवश्यकता के अनुसार परिवर्तन करना पड़ता है। इसमें गोपनीयता बड़ जाती है तथा अधिकत व्यक्ति ही इसका उपयोग कर सकता है। ये सब सुविधाऐं उपलब्ध करवाने के कारण उपयोगकर्त्ता के प्रशिक्षण तथा बिक्री के बाद की सेवा की लागतें अधिक आती है।
- आवश्यकतानुसार अथवा उपयुक्त सॉफ्टवेयर (Tailored Software): यह पूर्णतयाः उपयोग करने वाले के निर्देशों के अनुसार तैयार किया जाता है। इसकी माँग बड़े व्यापारिक प्रतिष्ठानों में होती है। जो भौगोलिक रूप से दूर दूर तथा विभिन्न स्थानों पर होते है। इसके उपयोगकर्त्ता अधिक होते है तथा बिना उचित प्रशिक्षण के इनका उपयोग नहीं किया जा सकता है। प्रबन्धकीय सूचना प्रणाली में इनका महत्त्वपूर्ण योगदान रहता है। इनमें गोपनीयता , अधिकतता तथा प्रामाणिकता की जाँच करने के लिये एक सुदढ़ पद्धति होती है।

Q 29. डेटाबेस मैनेजमेन्ट सिस्टम के प्रकारों को समझाइये। Explain Types of Database Management System .

[4 Marks]

Ans. डेटाबेस मैनेजमेन्ट सिस्टम के प्रकार(Types of Database Management System) :

- हायरार्कीकल(Hierarchical):पूर्व में डिजाइन किये हुये डेटाबेस हायरार्कीकल होते थे, जिनकी संरचना पेडनुमा आकार (Treelike Structure) में होती थी। इनमें एक मेन रूट तथा शेष शाखाऐं मानी जाती है। उसके शाखाऐं (Nodes) होते है तथा एक से अनेक (One to Many) के रूप में ही फ्लो (Flow) करते हे। इससे यह एक परिवर्तनशील संरचना नहीं है। कोई भी Node , Root को पुनः सम्पर्क नहीं कर सकती तथा डेटा का फ्लो (Flow) एक ही दिशा में होता है। इन्हीं कमियों कि वजह से आगे डेटाबेस का डिजाइन बदला गया , जिससे डेटा का सही समय पर पूर्ण एवं उचित प्रयोग किया जा सकें।
  इसे निम्न चित्र के द्वारा दर्शाया गया है।

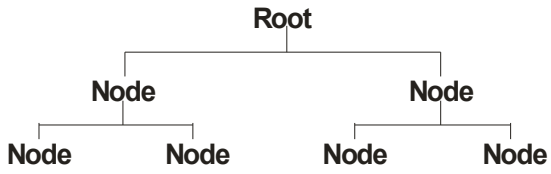

- नेटवर्क(Network):नेटवर्क सिस्टम में डेटाबेस की सारी Nodes एक दूसरे से जुड़ी हुई है , जिससे जहाँ पर डेटा जिस Node में चाहिये वह वहाँ ही उपलब्ध करा दिया जायेगा अर्थात् यह अनेक से अनेक (Many to Many Relationship) है जिसमें कई बार उच्च डेटा उपलबधता की वजह से डेटा क्लटर की स्थिति आ जाती है। जैसे दो Nodes के एक साथ डेटा Release करने की स्थिति में जिससे डेटा या तो आपस में ही उलझकर रह जाता है अथवा उचित स्थान तक नहीं पहुँच पाता। इसे निम्न चित्र से दर्शाया गया है।

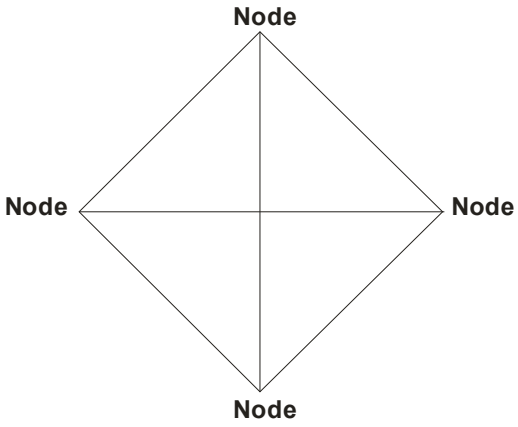

- रिलेशनल(Relational) : रिलेशनल डेटाबेस में हायरार्कीकल तथा नेटवर्क की सभी असुविधाओं का ध्यान में रखकर तीनों तरह का डेटा Flow रखा गया , जो एक से एक , एक से अनेक तथा अनेक से अनेक फॉर्म में होता है। जिससे आवश्यकतानुसार इनका प्रयोग कर डेटाबेस सम्बन्धी समस्याओं को सुलझाया जाता है।

Q 30. वित्तीय विश्लेषण के अतिरिक्त स्प्रेडशीट के किन्हीं छः उपयोगों को लिखिये।

Explain any SIX Uses of Spread Sheet , Except Financial Analysis .

OR

निम्नांकित परिस्थितियों में स्प्रेडशीट के लेखांकन में प्रयोग को समझाइये :

Discuss the Application of Spread Sheet in Accounting in following cases :

(i) Calculation of Expenses . (खर्चो की गणना)

(ii) Calculation of Income . (आय की गणना)

[6 Marks]

Ans.

स्प्रैडशीट के अन्य उपयोग (Other Uses of Spreadsheet) : वित्तीय विवरणों के विशलेषण के अतिरिक्त लेखाकारों एवं निवेशकों द्वारा स्प्रैडशीट का प्रयोग अन्य कई लेखा एवं वित्त सम्बन्धी कार्यो के लिये किया जा सकता है। कुछ महत्वपूर्ण वित्तीय कार्यो का उल्लेख निम्नलिखित में किया गया है :

(i) कर की गणना **(Calculation of Tax)** :स्प्रैडशीट द्वारा विभिन्न प्रकार के कर जैसे आयकर , विक्रयकर , कस्टम डयूटी , सर्विस टैक्स आदि की गणना एवं उनसे सम्बन्धित स्रोतों के आधार पर करों का पूर्वानुमान लगाया जा सकता है। इसे निम्नलिखित उदाहरण द्वारा समझाया गया है। कॉलम A में बिक्री सम्बन्धी आँकड़े दिये हुये है। जिस पर 10 % की दर से बिक्री कर लगाया गया है। जिसकी गणना निम्न मूल सूत्र द्वारा की गई है : (बिक्री की राशि * कर का प्रतिशत)। एक्सेल सूत्र के अनुसार दी गई सारणी में इस सूत्र को निम्न प्रकार से लगाया गया है। इसका सिन्टेक्स है : =(A1 * 0.5) जिसकी गणना की राशि को सेल B1 में दर्शाया गया है।

कर की लागत

	A	B
	Sales	Tax
1	20	10
2	30	15
3	40	20
4	50	25
5	30	15
6	40	20
7	70	35
8	80	40
9	60	30
10	100	50

(ii) ऋण की किश्त की गणना **(Calculation of Installment)** : किसी निश्चित लोन राशि पर चक्रवति ब्याज लगाने की दशा में मासिक किश्त की गणना में **PMT** सूत्र द्वारा प्रतिमाह देय किश्त की गणना की जा सकती है। **PMT** फंक्शन का मूल सूत्र है : PMT(rate,nper,pv,[fv],[type]) यहाँ पर

r = Rate of Interest ; nper = Total Payments for Loan ; pv = Principal Amount

उदाहरण के लिये यदि व्यवसाय ने 6.75 प्रतिशत की दर पर ₹ 2,00,000 का ऋण बैंक से 30 वर्ष के लिये लिया है , तो प्रतिमाह दी जाने वाली किश्त की गणना नीचे दिये गये निम्न सूत्र से की जायेगी :

= PMT(B4/B5,B3*5,B2) प्रतिमाह देय राशि को B6 में अंकित किया गया है।

किश्त की गणना

	A	B
1	Loan Data	₹
2	Principal Amount	2,00,000
3	Loan Term	30
4	Interest Rate	6.75 %
5	Payment Per Year	12
6	Instalment (₹)	1297.20

(iii) यदि प्रतिमाह दी जाने वाली किश्त में से "मूल राशि" (Principal Amount) की गणना करनी हो तो इस दशा में PPMT फंक्शन का प्रयोग किया जायेगा :

= PPMT(rate/payment in a year,1,years*payment in a year,Amount)

उदाहरण , यदि ब्याज दर 10 प्रतिशत है एवं ऋण की किश्त प्रतिमाह के आधार पर देय है तथा ऋण की कुल राशि ₹ 1,00,000 एवं भुगतान अवधि 5 वर्ष है तो प्रतिमाह दी जाने वाली किश्त में "मूल राशि" की गणना निम्न सूत्र से की जायेगी : = PPMT(10/12,1,5912,100000) इस सूत्र द्वारा किश्त ₹ 1291.37 होगी। इसे निम्नलिखित चित्र द्वारा दर्शाया गया है : = PPMT (B1/B3,A7,B2*B3,B4)

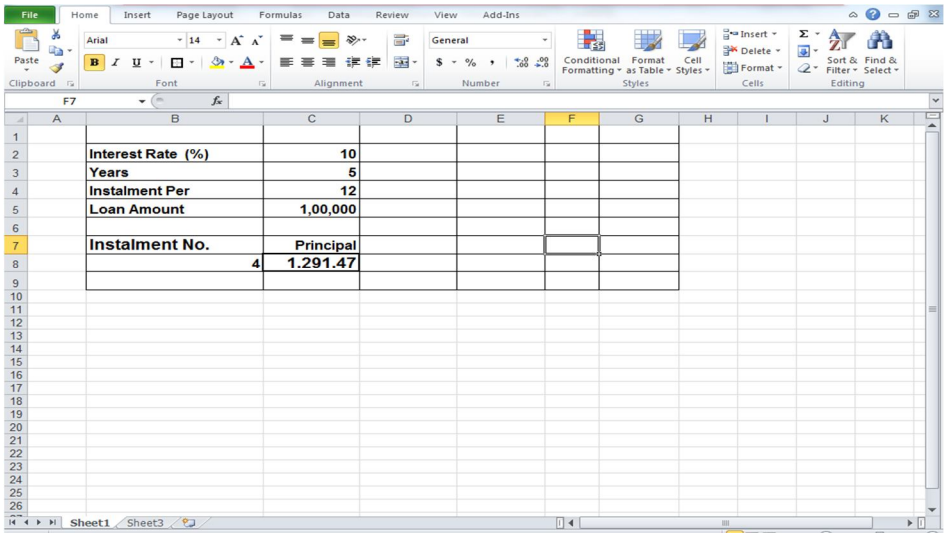

(iv) इसी प्रकार प्रतिमाह दी जाने वाली किश्त में "ब्याज" की गणना करने हेतु PMT फंक्शन का प्रयोग किया जायेगा। उपर्युक्त उदाहरण में इसका उपयाग निम्न सूत्र द्वारा किया जायेगा :

= IPMT(10/12,1,5*12,100000) = IPMT(B1/B3,A7,B2*B3,B4)

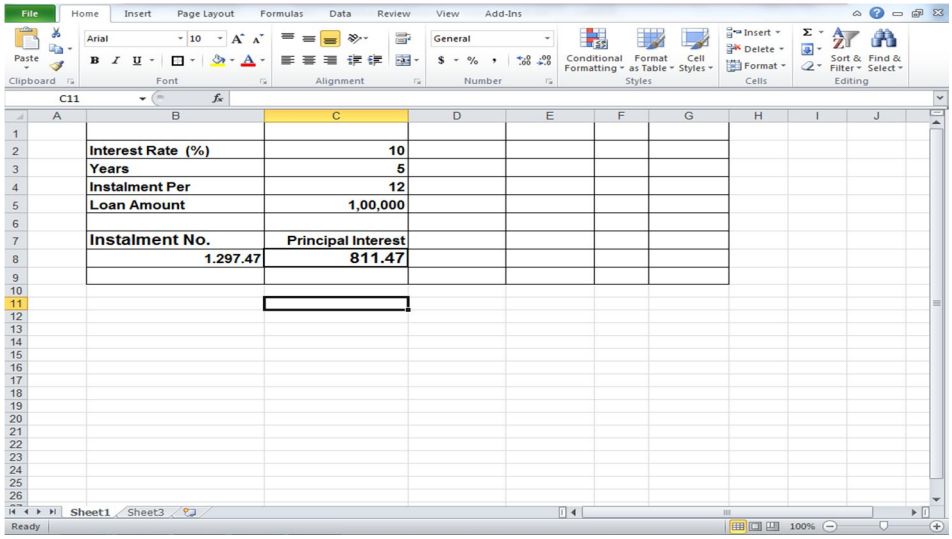

Interest Rate (%)	10	
Years	5	
Instalment Per	12	
Loan Amount	1,00,000	
Instalment No.	Principal Interest	
1.297.47	811.47	

(v) **पूँजी अथवा ऋण पर साधारण ब्याज की गणना करना** (Calculation of simple interest on Capital and Loan) **पूँजी अथवा ऋण पर ब्याज की गणना मूल राशि** (Principal Amount) **पर एक निर्धारित दर से की जाती है। इसके लिये निम्न सूत्र का प्रयोग होता है :** (Principal Amount) x Rate/100

यह निम्न उदाहरण द्वारा समझा जा सकता है :

यदि 100000 **की राशि** 8 **प्रतिशत ब्याज दर पर** 5 **वर्षो के लिये ली गई है तो ब्याज गणना करने के लिये** (100000*8/100) = ₹ 8000 **प्रतिवर्ष के हिसाब से ब्याज देय होगा। 5 वर्षो के ब्याज की गणना के लिये** (100000*8/100)*5 **करना होगा। चित्र के अनुसार 5 वर्षो के ब्याज की गणना हेतु सिन्टेक्स होगा :**

=(B1/B2)*B3 **अथवा** = B1*.08

ब्याज की गणना

	A	B	C	D
1	Principal Amount	100000		
2	Rate	.08 %		
3	Year	5		
4				

(vi) **निवेश पर कुल ब्याज की गणना** (Calculation of Total Income on Investment) **:**

ब्याज पर कुल आय की गणना करने के लिये मूल राशि जितने वर्षो के बाद परिपक्व हो रही है उतने वर्षो के कुल ब्याज प्रतिशत (चक्रवर्तीय) से गुणा कर दिया जाता है। उदाहरण के लिये 1 **वर्ष बाद** 8 **प्रतिशत की दर से यदि** ₹100 **निवेश किये जाते है तो** 1 **वर्ष बाद वह कुल** ₹108 **हो जायेंगे।**

यह निम्न सारणी द्वारा दर्शाया गया है :

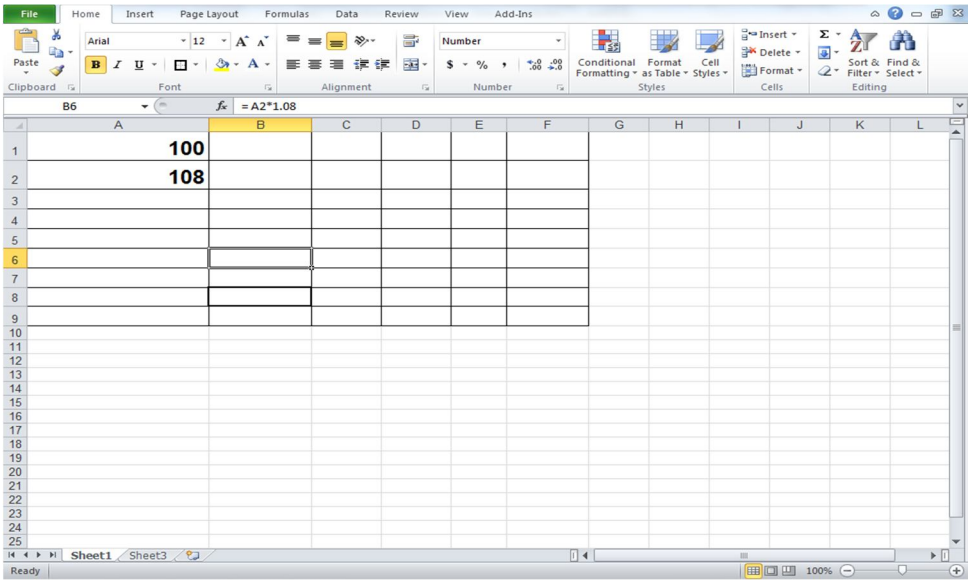

OR

(i) **खर्चो की गणना :** चित्र में त्रैमासिक खर्चो का विवरण दिया गया है। हर महीने का कुल खर्च सेल E 12 , F 12 एवं G 12 में दर्शाया गया है। इसी प्रकार किसी एक खर्चे का तीनों माह के कुल खर्चो को 16 से 110 तक दर्शाया गया है। इसकी गणना करने के लिये SUM सूत्र का प्रयोग किया गया है। जैसे RENT की तीनों महीनों की राशि निकालने के लिये =SUM(E6 : G6) को सेल 16 में टाईप किया गया है। इसी प्रकार जनवरी माह के कुल खर्चो की गणना सूत्र =SUM(E6 : E10) के द्वारा की गई है।

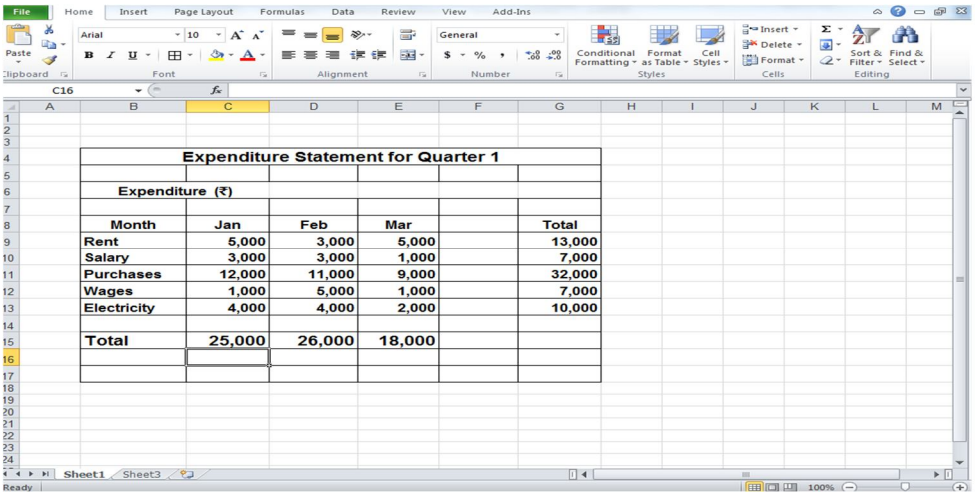

(ii) **आय की गणना :** व्यापार में होने वाली आय की गणना भी स्प्रैडशीट द्वारा की जा सकती है। यह गणना वार्षिक , अर्द्धवार्षिक , त्रैमासिक आदि के अनुसार की जा सकती है। आय या व्यय से सम्बन्धित किसी भी प्रकार का बजट बनाने हेतु एक्सल स्प्रैडशीट से डेटा को हस्तांतरित किया जा सकता है। इसी प्रकार किसी महीने में कम या ज्यादा खर्च को भी चिन्हित किया जा सकता है। इसी प्रकार दिखाये गये चित्र में त्रैमासिक आय की गणना को दर्शाया गया है। इस सारणी में भी SUM सूत्र का प्रयोग किया गया है।

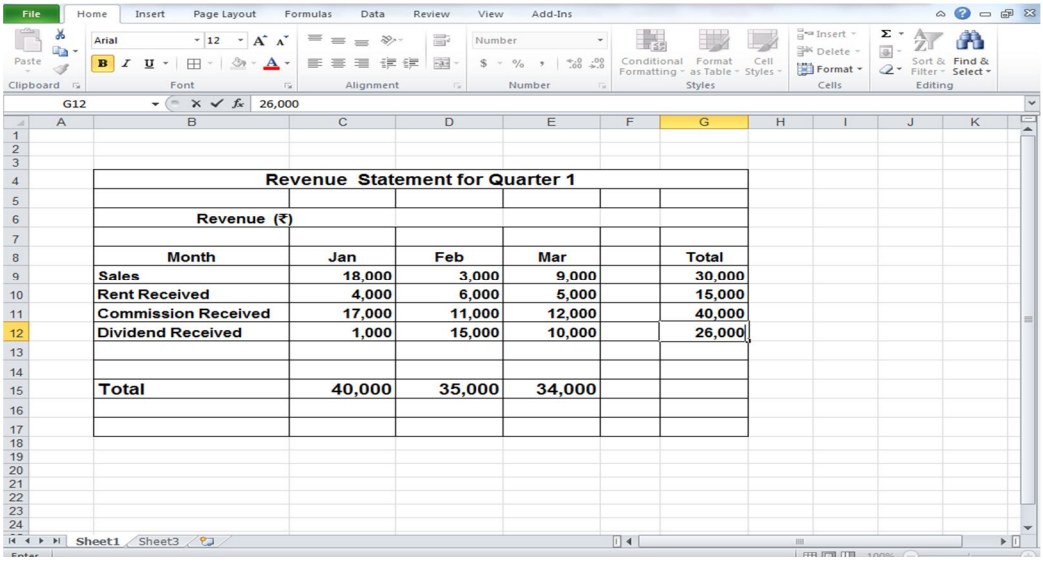

Revenue Statement for Quarter 1					
Revenue (₹)					
Month	Jan	Feb	Mar		Total
Sales	18,000	3,000	9,000		30,000
Rent Received	4,000	6,000	5,000		15,000
Commission Received	17,000	11,000	12,000		40,000
Dividend Received	1,000	15,000	10,000		26,000
Total	40,000	35,000	34,000		

Disclaimer Clause :

These Solutions are prepared by the Expert Faculty Team of RESONANCE .

Views and Answers provided may differ from **RBSE BOARD** due to difference in assumptions taken in support of the answers .

In such case answers as provided by "**RBSE BOARD**" will be deemed as final .